(ग) कंपनी का घाटा लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि वह कोलार गोल्ड फील्ड की 110 वर्ष पुरानी अलाभकारी खानों का संचालन कर रही है । अस्तु, सरकार ने कोलार गोल्ड फील्ड खानों को 7 वर्ष की अवधि में क्रमिक आधार पर बन्द करने का नवम्बर, 1987 में निर्णय लिया। फिर भी, गत तीन वर्षों में कंपनी के खर्च में कोई कमी नहीं आई । ऐसा अनावश्यक श्रमिक संख्या, खानों की क्रमिक बंदी से कम उत्पादन, अधिक उत्पादन लागत, बिजली, पानी और अन्य आदान लागतों में वृद्धि तथा मजदूरी वृद्धि के कारण हुआ है। तथापि, कंपनी द्वारा खर्च कटौती हेतु किए गए उपायों से निम्नलिखित मदों में बचत हुई है :–

(1) अनुत्पादक क्षेत्रों से कामगारों को हटाकर उत्पादक क्षेत्रों में लगाना, (1990–91 में 1.63 करोड़ रु० की बचत)।

(2) 1990–91 में बिजली खपत में 13% कटौती (4.71 लाख रु० की बचत)

(3) समयोपरि भत्ते में कटौती से बचत (चालू वर्ष में सितम्बर, 1991 तक 32 लाख रुपए की बचत)।

कंपनी ने स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम के अन्तर्गत रिटायरमेंट लेने के लिये करीब 1000 कामगारों को राजी कर लिया है, जिससे हर वर्ष 2.5 करोड़ रुपए की बचत की आशा है चालू वर्ष की बचत 1.32 करोड़ रु० है।

पुरुलिया, पश्चिमी बंगाल में सोने के भंडार

3448. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में एक भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के परिणामस्वरूप पुरुलिया, पश्चिमी बंगाल में सोने के भंडारों का पता चला है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आधार पर देश में सोने के भंडारों की कुल मात्रा का आकलन किया गया है और यदि हां, तो इसकी अनुमानित मात्रा कितनी है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान सोने का वार्षिक उत्पादन कितना रहा है ;

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव) : (क) पश्चिमी बंगाल के पुरूलिया जिले में कोई स्वर्ण निक्षेप नहीं मिला है किन्तु नदी बाल और डोलमा ज्वालामुखीय चट्टान में सोना पाए जाने की सूचना है । पुरूलिया जिले में स्वर्ण खनिजीकरण के संभावित आर्थिक क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण हो रहा है।

(ख) विभिन्न एजेंसियों द्वारा गवेक्षण के फलस्वरूप, देश के विभिन्न भागों में कुल निकासी योग्य स्वर्ण अयस्क भंडार, 1.1.1985 को 10.599 मिलियन टन था जिनमें 2.40 ग्राम/टन से 6.22 ग्राम/टन स्वर्ण अंश हैं।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान देश में उत्पादित सोने की मात्रा और मूल्य विवरण में दिये गये हैं ।

विवरण

देश में गत तीन वर्षों में उत्पादित स्वर्ण की मात्रा और मूल्य

कंपनी का नाम	स्वर्ण मात्रा (कि.ग्राम में) और मूल्य (करोड़ रु. में)					
	1988–89		1989–90		1990–91	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
I. भारत गोल्ड माइंस लि.	943.19	29.95	773.35	24.97	764.24	26.47
II. हट्टी गोल्ड माइंस कंपनी लिमिटेड	965.00	29.53	875.00	29.31	1049.00	36.33*
III. हिंदुस्तान कापर लि. (उपोत्पाद)	100.00	2.72	508.00	14.86	277.00	9.99
कुल योग :	2008.19	62.20	2156.35	69.14	2090.25	72.79

*आंकड़े आंतिम हैं।

नोट : केवल भारत गोल्ड माइंस लिमिटेड और हट्टी गोल्ड माइंस लि. प्राथमिक सोने का सीधे खनन और उत्पादन करती हैं। हिंदुस्तान कापर लि. सोने का उपोत्पाद के रूप में उत्पादन करता है।

देश में सोने का भंडार

3449. डा० जितेन्द्र कुमार जैन:
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत गोल्ड माइंस लिमिटेड द्वारा पिछले कुछ वर्षों से सोने के उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त न कर पाये के क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इस उपक्रम द्वारा वर्ष 1991 में भी अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिए जाने की संभावना नहीं है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(घ) देश में उपलब्ध सोने के भंडारों को ध्यान में रखते हुए इसके भंडार में वृद्धि करने के क्या कदम उठाये गए थे और इस संबंध में कितना अतिरिक्त व्यय किया गया ?

खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बलराम सिंह यादव): (क) भारत गोल्ड माइंस लिमिटेड कोलार गोल्ड फील्ड में 110 वर्षों से भी अधिक पुरानी खानें चली आ रही है। अधिक